# संपादक का नोट

मसीह में प्रिय भाइयों और बहनों प्रभु की स्तुति हो। यहाँ सभी रोज़ ऑफ़ शेरोन चर्च के सदस्यों और मेरे सभी पाठकों को हार्वेस्ट की हार्दिक शुभकामनाएँ। आपका जीवन हमेशा मसीह में प्रचुर और फलदायी रहे!

2 कुरिन्थियों 4:16 ''इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, "अन्धकार में से ज्योति चमके," और वही हमारे हृदयों में चमका कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो।'' सुनार भट्टी में सफाई करते समय पत्थर नहीं डालता; वह सोना डालता है, कि वह अपने शुद्धतम रूप में बदल जाए। इसी तरह, प्रभु केवल अपने चुने हुए सैनिकों को जीवन की भट्टी के माध्यम से रखते है, ताकि हमारे बाहरी गुण अच्छे के लिए मर जाएं, और हमारा आंतरिक व्यक्ति हमारे शुद्ध और पवित्र रूप में उनके लिए मजबूत हो। जिस समय में हम जीवन की भट्टी में हैं, हमें अपने परमेश्वर के विरुद्ध कभी भी कुड़कुड़ाना नहीं चाहिए, और न ही हमें अपनी तुलना संसार के लोगों से करनी चाहिए। हमें स्वेच्छा से परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ के अधीन स्वयं को रखना चाहिए, और इस बात से प्रसन्न होना चाहिए कि उन्होंने हमें चुना है ताकि हम जीवन भर उनकी महिमा कर सकें।

यशायाह 52:2–1 ''अपने ऊपर से धूल झाड़ दे, हे यरूशलेम, उठ; हे सिय्योन की बन्दी बेटी, अपने गले के बन्धन को खोल दे। हे सिय्योन, जाग, जाग! अपना बल धारण कर; हे पवित्र नगर यरूशलेम, अपने शोभायमान वस्त्र पहिन ले; क्योंकि तेरे बीच खतनारहित और अशुद्ध लोग फिर कभी प्रवेश न करने पाएँगे।'' एक बार जब हम इस सच्चाई को जान लेते हैं, तो हम फिर कभी अपने पुराने बर्ताव का अनुसरण नहीं करेंगे; क्योंकि जब हम अपने बर्ताव को अपनी आत्मिक आंखों से देखते हैं, तो हम समझेंगे कि यह परमेश्वर की दृष्टि में गलत है। इसलिए, हमें आत्मारिक रूप से दिन–बर–दिन खुद को नया करते रहना चाहिए।

यहेजकेल 20:44 ''हे इस्राएल के घराने, जब मैं तुम्हारे साथ तुम्हारे बुरे चालचलन और बिगड़े हुए कामों के अनुसार नहीं, परन्तु अपने ही नाम के निमित्त बर्ताव करूँ, तब तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूँ, प्रभु यहोवा की यही वाणी है।'' आज की दुनिया में, कोई भी 'पापियों' के साथ जुड़ना नहीं चाहेगा। वे यह कहना पसंद करेंगे कि वे 'संसार की दृष्टि में सिद्ध लोगों' के मित्र हैं। लेकिन हमारे यीशु, हमारे सभी पापों को जानते हुए, स्वेच्छा से हमारे लिए क्रूस पर हम पापियों के लिए मर गए। वह हमारे लिए मरे, इसलिए नहीं कि हम धर्मी हैं, बल्कि हम पापियों को, पश्चाताप करने और धर्मी बनाने के लिए। उनका प्यार, दया और करुणा हमारे जीवन में हर दिन नया है।

यशायाह 40:29 ''वह थके हुए को बल देता है और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ देता है।'' हमारे स्वर्गीय पिता कमजोर व्यक्ति को मजबूत करते हैं जब वह प्रभु की प्रतीक्षा करना सीखता है। जब हम यहोवा की बाट जोहते हैं, तो हम कमजोर नहीं होंगे। इसके बजाय, परमेश्वर हमारी ताकत को नया करेंगे। कछुआ और खरगोश की कहानी तो हम सभी जानते हैं। हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने दौड़ने की कोशिश करना, और उन्हें और उनके कार्यों को चुनौती देने की कोशिश करना, हमें जीवन में कहीं नहीं ले जाएगा। इसके बजाय, हमें अपने आप को प्रभु को सौपना सीखना चाहिए और उनके समय में उनकी प्रतीक्षा करने का धैर्य रखना चाहिए। परमेश्वर का वचन, बार–बार वादा करता है कि केवल वे जो प्रभु की प्रतीक्षा करना

सीखते हैं, वे थके हुए और श्रमित न होंगे, बल्कि अपनी ताकत को नया करेंगे और उकाब की तरह पंखों के साथ ऊपर उड़ेंगे। यशायाह 40:31 ''परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।''

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, केवल यीशु पर ही अपना विश्वास और भरोसा रखना सीखो; और वह, एक पिता के रूप में, नेतृत्व करेंगे और उठा लेंगे, उनके बच्चें, जीवन में हमारी परेशानियों के माध्यम से। याद रखें, यीशु को हमारे साथ रखने से ही विजय प्राप्त होती है, जैसा कि नीतिवचन 27:1 में परमेश्वर का वचन कहता है, ''कल के दिन के विषय में डींग मत मार, क्योंकि तू नहीं जानता कि दिन भर में क्या होगा।''

इसलिए हमेशा विनम्र रहें और अपने आप को प्रभु परमेश्वर को सौंप दे, और वह अपने समय में सब कुछ सही कर देंगे!

मसीह में आपकी बहन,

**पास्टर सरोजा म।**

यशायाह 40:6 ''बोलनेवाले का वचन सुनाई दिया, "प्रचार कर!" मैं ने कहा, "मैं क्या प्रचार करूँ?" सब प्राणी घास हैं, उनकी शोभा मैदान के फूल के समान है।'' भविष्यवक्ता यशायाह ने लोगों के लिए आत्मारिक न्याय के बारे में बात करते हुए परमेश्वर की आवाज सुनी। यहोवा ने कहा, 'प्रचार कर,' और यशायाह ने यहोवा परमेश्वर से पूछा, 'मैं क्या प्रचार करूँ?' यहोवा ने यशायाह से इस्राएलियों को अपने निर्णय के बारे में बताने के लिए कहा कि 'सब प्राणी घास है, और उनकी शोभा फूल के समान है।' प्रभु लोगों को जीवन के बारे में एक महत्वपूर्ण सच्चाई बताना चाहते थे। जैसे नूह के समय में, लोगों की मानों जो 'महानता' बाढ़ में नष्ट हो गई थी, वैसे ही आज भी, यदि हम प्रभु की वाणी को नहीं सुनते और पहचानते नहीं हैं, तो हम घास और फूल की तरह नाश हो जाएंगे।

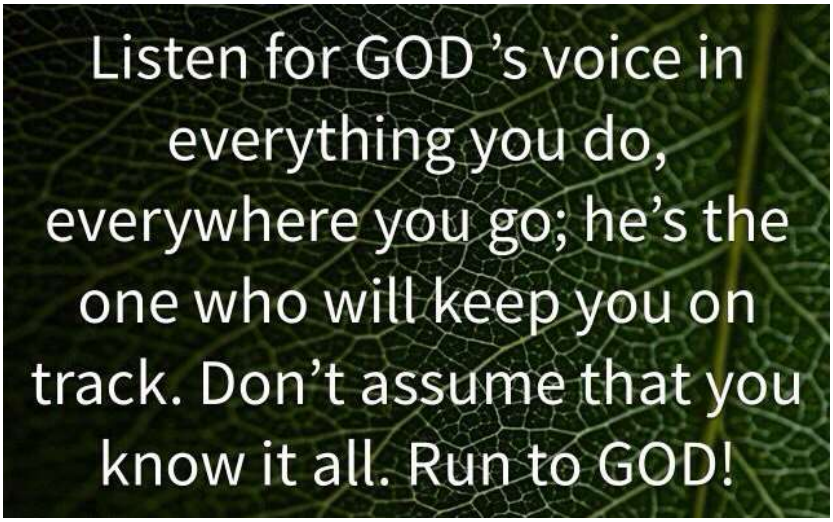


हम देखते हैं कि मनुष्य अपने व्यक्तित्व को बनाए रखने के लिए बहुत कुछ करते हैं। वे नियमित रूप से व्यायाम करते हैं और खुद को हर समय अच्छी तरह से तैयार रखते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व में निखार आता है। लेकिन हमारे प्रभु परमेश्वर कहते हैं कि अगर हम आज उनकी आवाज नहीं सुनते हैं तो हम लोग घास और फूल की तरह नाश हो जाएंगे। जैसे घास और फूल पर तेज धूप पड़ने से वे मुरझा जाते हैं, वैसे ही जब हम प्रभु की चेतावनी पर ध्यान नहीं देंगे, तो हम इस पृथ्वी से नष्ट हो जाएंगे। हमारी भलाई उनके सामने फूल की तरह है, लेकिन जब सूरज फूल पर तेज चमकता है, तो वह मुरझा जाता है। याकूब 1:11 ''क्योंकि सूर्य उदय होते ही कड़ी धूप पड़ती है और घास को सुखा देती है, और उसका फूल झड़ जाता है और उसकी शोभा जाती रहती है। इसी प्रकार धनवान भी अपने मार्ग पर चलते–चलते धूल में मिल जाएगा।''

यहोवा ने यशायाह से कहा, कि वह सब इस्राएलियों को ऊंचे आवाज़ से प्रचार करे, कि वे आत्मारिक न्याय के बारे में बात करते हुए बताए की कैसे घास और फूलों की नाईं वे नाश होंगे।

यही आवाज प्रेरित पतरस ने भी सुनी थी। 1 पतरस 1:24–25 ''क्योंकि हर एक प्राणी घास के समान है, और उसकी सारी शोभा घास के फूल के समान है। घास सूख जाती है, और फूल झड़ जाता है, परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है।" और यही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था।''

परमेश्वर का सत्य और उनका वचन हमेशा के लिए हमारा न्याय करेगा। परमेश्वर मनुष्य पर नज़र रखते है और उसे उसके कुकर्मों के लिए छूट देते है। परन्तु एक बार जब वह उसे दण्ड देने का निश्चय कर लेते है, तो कोई बच नहीं सकता; उनका न्याय उस मनुष्य पर पड़ेगा और वह घास और फूल की नाईं नाश हो जाएगा। प्रभु नहीं चाहते कि इस संसार में कोई मनुष्य अपने पापों में मरे या नाश हो। परमेश्वर चाहते है कि सारी मानवजाति बच जाए और कोई भी नाश न हो। यीशु ने कलवारी के क्रूस पर अपना जीवन बलिदान कर दिया। जब हम मनुष्य के रूप में अपनी बुद्धि और ज्ञान का उपयोग करते हैं, तो हम शत्रु के हाथों शिकार हो जाते हैं। हमारी बुद्धि और ज्ञान हमारे जीवन में बंधन बन जाते हैं। जब हम परमेश्वर के प्रेम, अनुग्रह, दया और करुणा को छोड़ देते हैं तो हम गिर जाते हैं; और सोचते हैं कि हमने अपनी बुद्धि और ज्ञान से सभी महानता और भलाई प्राप्त की है। यह हमारे जीवन में एक बंधन बन जाता है।

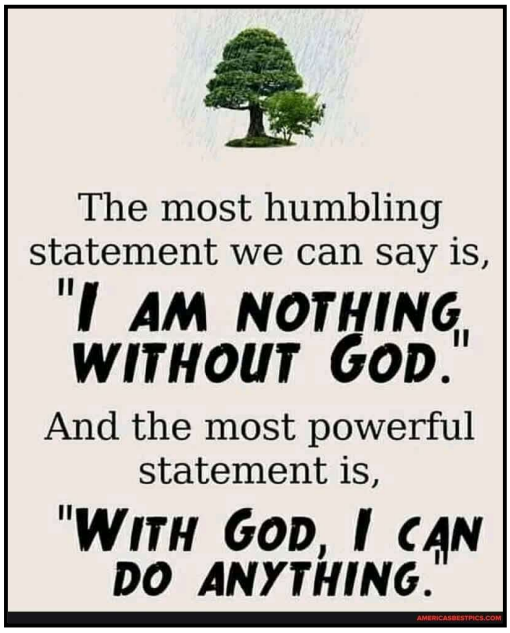


दाऊद एक महान राजा था, और वह बचपन से ही परमेश्वर का भय मानता था। उसने यहोवा के लिये प्रभु से भय मानने पर घमण्ड किया, परन्तु परमेश्वर के सामने घमण्ड नहीं किया। वह जानता था कि उसकी सारी महानता और अच्छाई केवल घास और फूल हैं जो परमेश्वर के सामने मुरझा जाते हैं। भजन संहिता 22:6 ''परन्तु मैं तो कीड़ा हूँ, मनुष्य नहीं; मनुष्यों में मेरी नामधराई है, और लोगों में मेरा अपमान होता है।'' जब मनुष्य मर जाता है, तो शरीर को कीड़े खा जाते हैं। हम प्रभु के सामने किसी के भी लायक नहीं हैं। मनुष्य के भीतर पाप का कीड़ा है, झूठ का कीड़ा है, व्यभिचार का कीड़ा है; अलग–अलग तरीकों से, हमारा जीवन कीड़ों का डिब्बा है। लेकिन जिस दिन हम अपने प्रभु परमेश्वर के बारे में जान जाते हैं और उनके कीमती लहू से धूल जाते हैं, जिस दिन हम उन्हें अपने जीवन में स्वीकार करते हैं, हमारा जीवन अच्छे के लिए बदल जाता है।

इस्राएलियों ने अपने बारे में घमण्ड किया और सोचा कि वे परमेश्वर की दृष्टि में महान हैं। यहोवा परमेश्वर ने यशायाह से इस्त्राएलियों को प्रचार करने के लिए कहा, की उन से कहो, कि उन पर होनेवाले न्याय से अपने आप को बचाओ। *''सब प्राणी घास हैं, उनकी शोभा मैदान के फूल के समान है।''* प्रभु हम में से प्रत्येक के बारे में जानते है। उनके सामने, हर घुटने को झुकना चाहिए और हर जीभ को कबूल करना चाहिए कि यीशु मसीह ही परमेश्वर है। हम भले ही महान इंसान हों, लेकिन प्रभु के सामने हम कुछ भी नहीं हैं। हम कितने ही महान क्यों न हों, हम प्रभु के सामने खड़े नहीं हो सकते। हमारा चर्च एक चुना हुआ चर्च है, यहां हम केवल पवित्र प्रभु की आराधना करते हैं, और हम पवित्र आत्मा की इच्छा के अनुसार चलते हैं। हमें अपने ऊपर परमेश्वर का श्राप नहीं लेना चाहिए। यीशु मसीह के नाम में, हमें परमेश्वर के पवित्र नाम की महिमा करनी चाहिए। सब छिपी हुई बातें यहोवा के लिये हैं, और वे हम पर कभी प्रगट न होंगी। फिर भी, हमें यह जानने की जरूरत है कि हमारी कोई महानता या अच्छाई परमेश्वर के सामने टिक नहीं पाएगी। यीशु ने कहा, *''सब प्राणी घास हैं, उनकी शोभा मैदान के फूल के समान है।''* सूरज घास पर चमकता है, और वह मुरझा जाता है और फूल भी मुरझा जाते हैं; उसी प्रकार जब परमेश्वर का कोप हम पर होगा, तब हम घास और फूल की नाईं नाश हो जाएंगे।

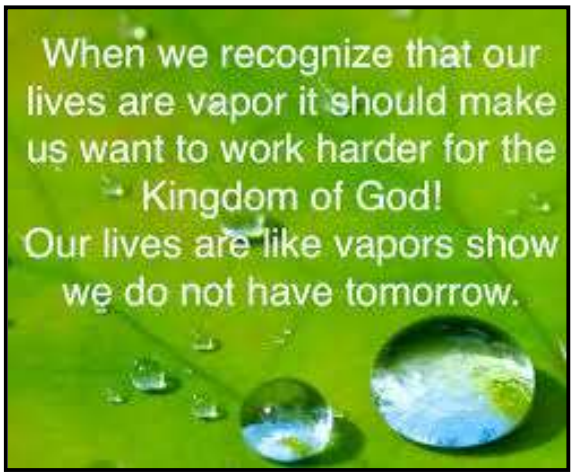


मनुष्य पर परमेश्वर का न्याय भी याकूब 4:14 में लिखा गया है ''और यह नहीं जानते कि कल क्या होगा। सुन तो लो, तुम्हारा जीवन है ही क्या? तुम तो भाप के समान हो, जो थोड़ी देर दिखाई देती है फिर लोप हो जाती है।'' मनुष्य कल के बारे में नहीं जानता, फिर भी वह अपने धन और सुंदरता पर गर्व करता है। लेकिन प्रभु कहते हैं, 'तुम्हारा जीवन एक भाप ही है, जो थोड़ी देर के लिए प्रकट होता है, और फिर गायब हो जाता है।' परमेश्वर के लोगों के रूप में, हमें हमेशा अपने प्रभु को थामे रहना चाहिए, और मनुष्य को कभी नहीं। प्रभु को हमेशा हमारे जीवन में प्रथम होना चाहिए। अय्यूब दृढ़ता से यहोवा पर टिका रहा। अय्यूब 19:25 ''मुझे तो निश्चय है कि मेरा छुड़ानेवाला जीवित है, और वह अन्त में पृथ्वी पर खड़ा होगा;'' अय्यूब जानता था कि इस दुनिया के अंत में, हमारा मुक्तिदाता अंतिम दिन खड़ा होगा। तब हम देखेंगे कि कौन इस पृथ्वी पर घास और फूलों के रूप में खड़ा होगा। क्या धनवान, दौलतमंद, बुद्धिमान और ज्ञानी परमेश्वर के उपस्थिति को सहन कर पाएंगे? नहीं, यह

वही हैं जो परमेश्वर पर दृढ़ रहते हैं, जो न्याय के दिन उसके सामने खड़े हो सकेंगे, जबकि अन्य सूख जाएंगे।

परमेश्वर ने अपने बच्चों के लिए अद्भुत कार्य किए हैं। भजन संहिता 78:23–25 ''तौभी उसने आकाश को आज्ञा दी, और स्वर्ग के द्वारों को खोला; और उनके लिये खाने को मन्ना बरसाया, और उन्हें स्वर्ग का अन्न दिया। मनुष्यों को स्वर्गदूतों की रोटी मिली; उसने उनको मनमाना भोजन दिया।'' हम देखते हैं कि कैसे परमेश्वर ने बादलों को आज्ञा दी, और तुरन्त स्वर्ग के द्वार खुल गए और इस्राएलियों पर मन्ना बरसा।

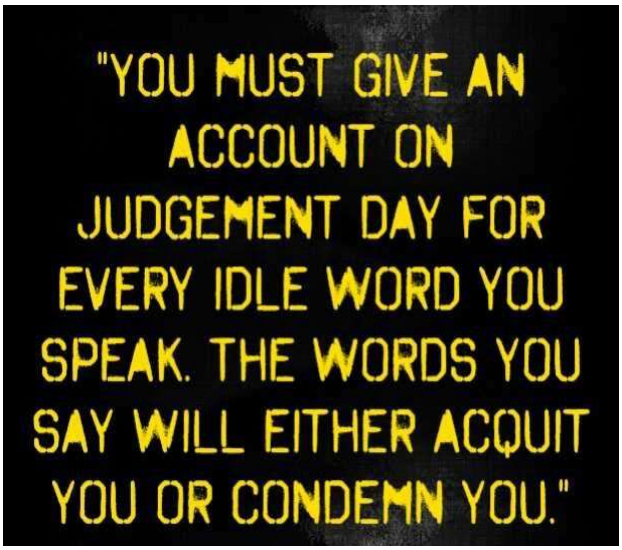


इस प्रकार मनुष्य ने स्वर्गदूत का भोजन खाया, क्योंकि परमेश्वर मनुष्य से अत्यधिक प्रेम करते थे। यदि मनुष्य यहोवा को कभी भूले, तो परमेश्वर कहेंगे, 'जो मेरे प्रेम को भूल जाते हैं, वे घास और फूल की नाईं मेरे आगे मुरझा जाएंगे।'

जब हम परमेश्वर से बात करते हैं, तो हमें उनकी वाणी अधिक सुननी चाहिए और कम बोलना चाहिए। मत्ती 12:36 में यीशु कहते हैं ''और मैं तुम से कहता हूँ कि जो जो निकम्मी बातें मनुष्य कहेंगे, न्याय के दिन वे हर एक उस बात का लेखा देंगे।'' मनुष्य को उसके मुंह से निकलने वाले हर शब्द के लिए प्रभु को जवाब देना पड़ता है। हममें से कोई भी परमेश्वर की दृष्टि से बच नहीं सकता। हम अपने हर शब्द के लिए जवाबदेह हैं। हमें कम बोलना चाहिए और परमेश्वर की वाणी, यानी उसके वचन को अधिक सुनना चाहिए। यहोवा के विरुद्ध कोई अस्पष्ट बात मत कहो, क्योंकि न्याय के दिन हम उत्तरदायी होंगे। परमेश्वर हमें बोलने के लिए बुद्धि और ज्ञान देंगे। जो आखिरी हैं वे पहले होंगे और जो पहले हैं वे आखिरी होंगे। परमेश्वर हमारी आज्ञाकारिता चाहते है न कि हमारा बलिदान, इसलिए हमें हमेशा उनके वचन के प्रति आज्ञाकारी होना चाहिए। जब प्रभु हमें सावधान करते हैं, तो हमें बहुत सावधान रहना चाहिए और हर वचन का ध्यानपूर्वक पालन करना चाहिए, नहीं तो हम बंधन में पड़ जाएंगे। परमेश्वर ने बहुतों को बुलाया है, लेकिन उनके कार्यों को करने के लिए केवल कुछ को ही चुना है।

जैसे अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा मानी, हाजिरा ने परमेश्वर की आज्ञा मानी, और यशायाह ने परमेश्वर की आज्ञा मानी, वैसे ही हमें भी उनके वचन का पालन करना चाहिए और इस जीवन में दौड़ जीतनी चाहिए। शैतान हमेशा हमसे परमेश्वर की इच्छा के विपरीत बात करेगा और हमारे लिए योजना बनाएगा, और हमें इस बात से बहुत सावधान रहना होगा कि हम किसकी आवाज का पालन करते हैं। अच्छा व्यक्ति हमेशा अपने भीतर से अच्छा खजाना निकालता है, जबकि बुरा व्यक्ति हमेशा बुरे खजाने को सामने लाता है। परमेश्वर उसी के अनुसार न्याय करेंगे। हमारा जीवन हमेशा परमेश्वर के वचन से मेल खाना चाहिए। अगर हमारा दिल प्रभु के करीब है, तो

शैतान हमें कभी छू नहीं सकता और न ही हमारे जीवन में काम कर सकता है। शैतान हमेशा एक खाली दिल में प्रवेश करता है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप अपने हृदय को परमेश्वर के वचन और प्रेम से भर दें।

अय्यूब की तरह दृढ़ विश्वास में खड़े रहो, यहाँ तक कि उसने पूरे विश्वास के साथ घोषणा की, *'क्योंकि मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और वह अंतिम दिन पृथ्वी पर खड़ा होगा।'*

> "God has shown us that He is with us; He has nothing to prove to us. If we refuse to see it, we are as blind as Israel was in the wilderness."

परमेश्वर इस्राएलियों को मिस्र से निकालकर जंगल में ले आए। 'जंगल' का अर्थ है एक खुली जगह, जहाँ पानी या भोजन नहीं होता, केवल खुला आसमान होता है। परमेश्वर अपने प्रिय लोगों के साथ संवाद करना चाहते थे, और वह उन्हें जंगल में बाहर ले आए। मिस्र में, उन्होंने ईंटें तैयार करने के लिए घास एकत्र की थी, लेकिन अब परमेश्वर ने उनसे कहा कि उन्हें अब और काम करने की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर केवल चाहते थे कि वे उनकी आवाज सुनें। निर्गमन 16:4 ''तब यहोवा ने मूसा से कहा, "देखो, मैं तुम लोगों के लिये आकाश से भोजन वस्तु बरसाऊँगा; और ये लोग प्रतिदिन बाहर जाकर प्रतिदिन का भोजन इकट्ठा करेंगे, इससे मैं उनकी परीक्षा करूँगा कि ये मेरी व्यवस्था पर चलेंगे कि नहीं।''

> God doesn't tempt men, but God tries men, tests them. God cannot tempt you, but God can test you. And every son that cometh to God must be tested or child-trained before he can be a son. And if we can't stand chastisement, the Bible said we become illegitimate children and not the children of God.

परमेश्वर इस्राएलियों की परीक्षा लेना चाहते थे। वह उन्हें भोजन के रूप में मन्ना देना चाहते थे और इसके माध्यम से परमेश्वर ने उनकी आज्ञाकारिता की परीक्षा ली। दुर्भाग्य से, इस्राएली इस परीक्षा में असफल हो गए।

हम में से कितने लोग परमेश्वर की परीक्षा का सामना कर सकते हैं? आज भी, हम में से कई लोग उस परीक्षा में असफल हो जाते हैं जो परमेश्वर ने हमारे लिए निर्धारित की है। कई बार परमेश्वर हमें जंगल में ले आते है, ताकि हम केवल उनकी वाणी को ध्यान से सुन सकें। हम जानते हैं कि इस्राएलियों ने क्या किया, और कैसे उन्होंने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया। प्रभु ने उन्हें केवल एक दिन के लिए पर्याप्त मन्ना इकट्ठा करने का निर्देश दिया, लेकिन कई लोगों ने उनके निर्देश की अवहेलना की और आवश्यकता से अधिक एकत्र किया। उनकी अवज्ञा ने प्रभु को नाराज कर दिया। इकट्ठा किया गया अतिरिक्त मन्ना अगले दिन खराब हो गया और उसमें से दुर्गंद आने लगी। इसी तरह, हम भी प्रभु के प्रति अपनी अवज्ञा से दुर्गंद फैलाते हैं, और हमारे पाप उनके द्वारा आसानी से उजागर हो जाते हैं। किसी भी समय, परमेश्वर हमारी परीक्षा ले सकते है, और हमें विजयी होकर, परमेश्वर की परीक्षा का सामना करने की आवश्यकता है।

परमेश्वर हमारी आज्ञाकारिता को प्यार करते है। जंगल में इतनी बड़ी भीड़ के लिए पानी नहीं था। परमेश्वर ने इस्राएलियों को जल प्रदान किया। 1 कुरिन्थियों 10:4 ''और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे जो उनके साथ–साथ चलती थी, और वह चट्टान मसीह था।'' परमेश्वर हमें कभी नहीं छोड़ेंगे, क्योंकि वह हमारा चट्टान और जीवित जल है। प्रभु हमसे कभी दूर नहीं जाते; हम ही उनसे जुदा हैं। मानव स्मरणशक्ति थोड़ी देर की है, और हम आसानी से परमेश्वर के वचन को भूल जाते हैं। परमेश्वर ने स्वर्गीय मन्ना के द्वारा इस्राएलियों की परीक्षा ली। जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया वे अंततः वादा किए गए देश में पहुंच गए। उन्होंने इस मन्ना में से खाया और जीवित जल पिया, और वे राष्ट्रों और उनके इकतीस राजाओं से लड़ने के लिए मजबूत हुए जिन्होंने इस्राएलियों पर हमला किया था। परन्तु जिन्होंने जंगल में परमेश्वर की अवज्ञा की, वे घास और फूल के रूप में नष्ट हो गए।

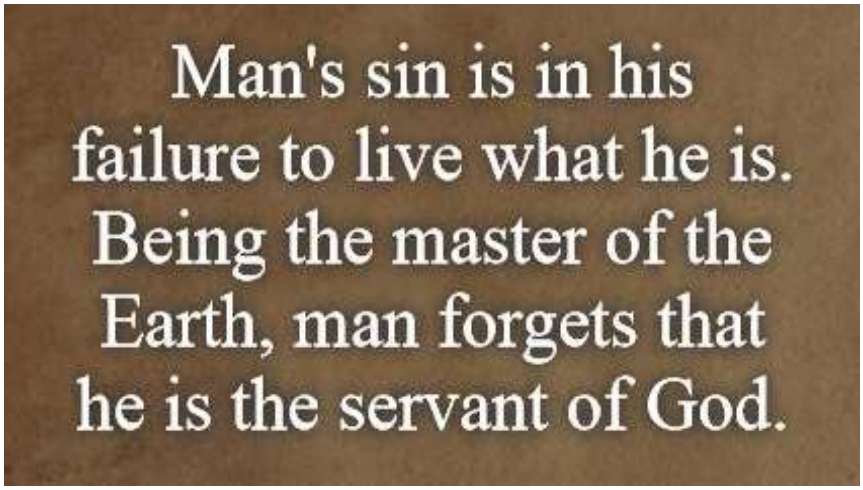


मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहता है। मत्ती 4:4 ''यीशु ने उत्तर दिया : "लिखा है, 'मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, जीवित रहेगा।' '' हम जो भोजन करते हैं, उससे हम अपने शरीर को बनाए रख सकते हैं; परन्तु जब हम परमेश्वर के वचन को खाते हैं, तो हम जीवन की दौड़ जीत सकते हैं। हम अब्राहम के जीवन को जानते हैं, एक तरफ सारा और दूसरी तरफ हाजिरा। सारा की बात मानने के लिए अब्राहम को परमेश्वर ने सलाह दी थी। हमारे प्रभु हमारे अच्छे सलाहकार हैं और उनकी सलाह हमेशा हमारे जीवन में जीत दिलाएगी। भजन संहिता 32:8 ''मैं तुझे बुद्धि दूँगा, और जिस मार्ग में तुझे चलना होगा उस में तेरी अगुवाई करूँगा; मैं तुझ पर कृपादृष्टि रखूँगा और सम्मति दिया करूँगा।'' जब हम परमेश्वर के पास जाते हैं, तो उनकी निगाह हम पर होती है, और वह अपनी असीम बुद्धि और ज्ञान से हमें सलाह देते है।

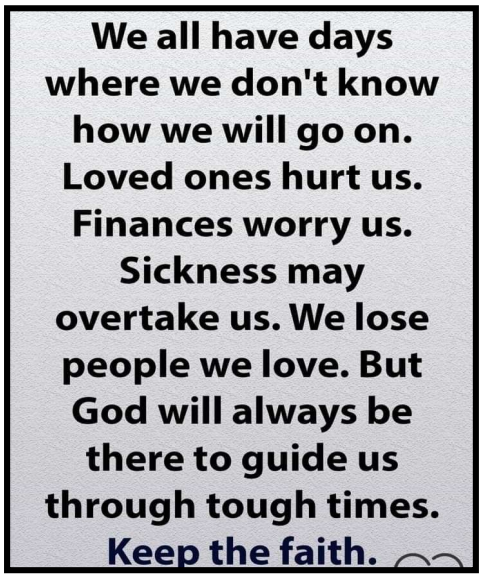


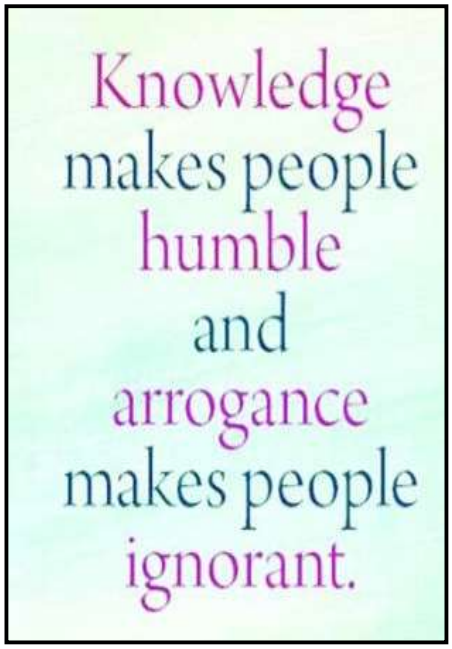


राजा नबूकदनेस्सर को अपनी बुद्धि, शक्ति और महानता पर गर्व था। उसने अपने मन में बेबीलोन को एक शक्तिशाली देश बनाने में गर्व महसूस किया। इसके लिए, परमेश्वर का न्याय तुरंत उस पर आ गया। दानिय्येल 4:30–31 ''क्या यह बड़ा बेबीलोन नहीं है, जिसे मैं ही ने

अपने बल और सामर्थ्य से राजनिवास होने को और अपने प्रताप की बड़ाई के लिये बसाया है?" यह वचन राजा के मुँह से निकलने भी न पाया था कि आकाशवाणी हुई, "हे राजा नबूकदनेस्सर, तेरे विषय में यह आज्ञा निकलती है : राज्य तेरे हाथ से निकल गया,'' परमेश्वर का दण्ड उस पर तुरन्त आ गया। कई लोग स्वर्ग से अनुग्रह की आवाज सुनते हैं, जबकि अन्य सुधार की आवाज सुनते हैं। बहुत से लोग परमेश्वर की पुकार सुनते हैं और स्वर्गीय मन्ना से तृप्त होते हैं। राजा नबूकदनेस्सर को यह कहते हुए एक न्याय के साथ शाप दिया गया था, 'राज्य तुझ से दूर हो गया है।'

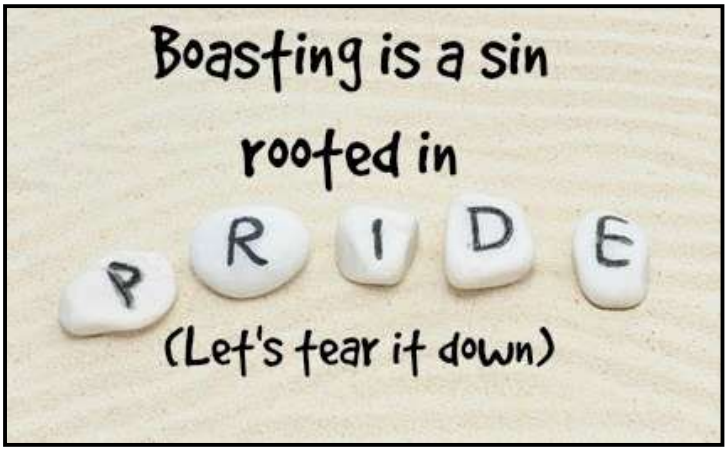


अंत में, राजा नबूकदनेस्सर ने स्वर्ग के राजा की प्रशंसा की और उसका सम्मान किया। दानिय्येल 4:37 ''अब मैं नबूदकनेस्सर स्वर्ग के राजा को सराहता हूँ; और उसकी स्तुति और महिमा करता हूँ, क्योंकि उसके सब काम सच्चे, और उसके सब व्यवहार न्याय के हैं; और जो लोग घमण्ड से चलते हैं, उन्हें वह नीचा कर सकता है।'' राजा नबूकदनेस्सर ने इसे कठिन तरीके से सीखा। कष्ट सहने के बाद, उसने परमेश्वर की महिमा की और उसकी आराधना की और उसे ऊंचा किया।

परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता यशायाह को बुलाया और उससे कहा कि वह इस्राएलियों को न्याय के दिन की चेतावनी दे। उसे उन्हें चेतावनी देने के लिए कहा गया था कि उनकी हर अच्छाई प्रभु के सामने घास और फूल की तरह थी और जब सूरज तेज चमकेगा, तो सब कुछ नाश और मुरझा जाएगा, लेकिन परमेश्वर का वचन हमेशा के लिए राज्य करेगा।

प्रभु के लोगों को कभी भी अपने जीवन में घमंड नहीं आने देना चाहिए, हमें गर्व को त्यागकर इसे अपने से दूर रखना चाहिए। यहोवा के सामने हमारी सारी भलाई व्यर्थ है, और हम उसके सामने घास और फूल के समान हैं। हमें बात करने से पहले हमेशा सोचना चाहिए, परमेश्वर के वचन को अधिक सुनना चाहिए, उसे सुनना चाहिए और कम बोलना चाहिए। हमें अपनी बुद्धि और ज्ञान पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि प्रभु हमारे अहंकार और अहम का दुश्मन है।

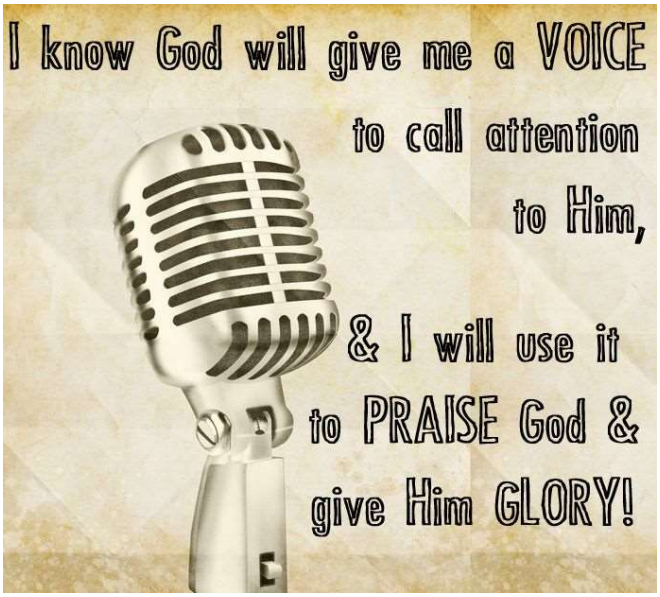


परमेश्वर ने अपने महान भविष्यद्वक्ता यशायाह को बुलाया और उससे कहा कि प्रचार करो और इस्राएलियों से कहो कि उनकी भलाई घास और फूल के समान थी। जब सूरज गर्म होगा, तो घास और फूल मुरझाकर नष्ट हो जाएंगे। परमेश्वर ने आज हम से अपने वचन के द्वारा बात की है। प्रभु हम सभी को आशीर्वाद दे, और हम बढ़े और हमारे प्रभु के साथ बढ़े, न कि घास और फूल की तरह मुरझाए।

**पास्टर सरोजा म।**